दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 30 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 122

महाकुम्भ मेले में भगदड़ : 40 की मौत, 70 से अधिक घायल

आंकड़ा बढ़ने की आशंका; प्रयागराज में अभी भी 9 करोड़ लोग

प्रयागराज | आरएनएस

प्रयागराज के संगम तट पर मंगलवार-बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे भगदड़ मच गई। हादसे में अब तक 40 लोगों की मौत होने की खबर है। 70 से ज्यादा घायल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मेडिकल कॉलेज में पहले 14 शव पोस्टमॉर्टम के लिए लाए गए। फिर मेला क्षेत्र से 8-10 एंबुलेंस से शवों को लाया गया।

मेडिकल कॉलेज में 20 लाशों को गिना गया जबकि आखिरी डेडबॉडी पर 40 नंबर लिखा हुआ था। कुछ शव परिजनों को सौंपकर उनके घर भेज दिए गए हैं। हालांकि प्रशासन ने मौत या घायलों की संख्या को लेकर हादसे के 14 घंटे बाद भी कोई जानकारी नहीं दी।

पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा-श्रद्धालु संगम पर ही स्नान करने की न सोचें। गंगा हर जगह पवित्र है, वे जहां हैं उसी तट पर स्नान करें।

हादसे के कारणों के बारे में बताया जाता है कि अमृत स्नान की वजह से ज्यादातर पांटून पुल बंद थे। इसके कारण संगम पर पहुंचने वाली करोड़ों की भीड़ इकट्ठा होती चली गई। जिससे बैरिकेड्स में फंसकर कुछ लोग गिर गए। यह देखकर भगदड़ की अफवाह फैल गई। दूसरे संगम नोज पर एंट्री और एग्जिट के रास्ते अलग-अलग नहीं थे। लोग जिस रास्ते से आ रहे थे, उसी रास्ते से वापस जा रहे थे। ऐसे में जब भगदड़ मची तो लोगों को भागने का मौका नहीं मिला। वे एक-दूसरे के ऊपर गिरते गए।

हादसे के बाद 70 से ज्यादा एम्बुलेंस संगम तट पर पहुंचीं। इनसे घायलों और मृतकों को अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद संगम तट पर एनएसजी कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया। संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गई। भीड़ और न बढ़े, इसलिए प्रयागराज से सटे जिलों में श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। वहां प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है।

महाकुंभ में आज मौनी अमावस्या का स्नान था, जिसके चलते करीब 9 करोड़ श्रद्धालुओं के शहर में मौजूद होने का अनुमान है। प्रशासन के मुताबिक, संगम समेत 44 घाटों पर आज देर रात तक 8 से 10 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का अनुमान है। इससे एक दिन पहले यानी मंगलवार को साढ़े 5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। पूरे शहर में सुरक्षा के लिए 60 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं।

अचानक बेरीकैडिंग तोड़ कर आई भीड़ और संगम तट पर सो रहे लोगों को रौंद गई : श्रद्धालुओं ने बताया आंखों देखा हाल

महाकुंभनगर | आरएनएस

मौनी अमावस्या पर त्रिवेणी में डुबकी लगाने के साथ अखाड़ों में साधु संतों के दर्शन की आस लिये संगम तट पर सो रहे श्रद्धालुओं को मंगलवार देर रात बैरीकेडिंग तोड़ कर आयी भीड़ ने रौंद दिया। इस हादसे में बाल बाल सकुशल बचे श्रद्धालुओं ने मेला क्षेत्र से निकलने के दौरान यह वृतांत सुनाया।

संगम क्षेत्र में इस घटना की प्रत्यक्षदर्शी कोलकाता से आई कृष्णा प्रसाद ने बताया कि संगम तट पर लोग सुबह होने की प्रतीक्षा में लेटे थे। तभी लोगों की भीड़ अखाड़ों के "अमृत स्नान" के लिए बने बैरिकेट को तोड़ते हुए घाट की तरफ बढ़ी और घाट पर लेटे श्रद्धालु भीड़ की चपेट में आ गए।

बरेली से आई पूर्व शिक्षिका सुमन सिंह ने कहा कि भाग्य भाग्य की बात है, ऐसा अवसर सभी को नहीं मिलता। इसीलिए हम गंगा माइया में स्नान करने पहुंची हूं। ऐसी अनहोनी की किसी ने कल्पना तक नहीं किया था , लगत है गंगा मइया को यही मंजूर था। यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है। पता नहीं किसकी गलती की सजा इन लोगों को मिली।

जयपुर के बाडमेर निवसी सज्जन पुरखोलिया ने सेक्टर दो में बने मीडिया शिविर के सामने से जाते समय बातचीत में बताया कि 144 साल बाद यह पुण्य स्नान का अवसर है जिसे कोई भी गंवाना नहीं चाहता। यही वजह है कि देश दुनिया से लोग संगम के किनारे खुले आसमान के नीचे डेरा डालकर पड़े थे। तभी बैरिकेड तोडक़र आए जनसैलाब के नीचे वे दब गए।

यह हमारा सौभाग्य था कि हम और हमारे साथ आए पांच लोग किसी तरह बच गए। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर फैले जूते चप्पल और लोगों के कपड़े घटना की कहानी बयां कर रहे हैं। घटना में कई महिलाओं समेत अनेक लोग घायल हो गए जिन्हें सुरक्षाकर्मी एंबुलेंस से अस्पताल ले गये हैं।

उन्होंने कहा कि अखाड़ों के नागा सन्यासियों का दर्शन करने की अभिलाषा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम तट पर डटे रहे। मुझे लगता है कि बहुत भाग्यशाली हैं वे लोग जो गंगा के तट पर आकर मोक्ष को प्राप्त करते हैं। जिला प्रशासन को करोड़ों की भीड़ से हादसा होने की संभावना का अंदेशा पहले ही हो गया था।

यही वजह है कि प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने छोटे लाउडस्पीकर से मुनादी करते हुए कहा कि सभी श्रद्धालु सुन लें..यहां लेटे रहने से कोई फायदा नहीं है। जो सोवत है, वो खोवत है। उठिए उठिए और स्नान करिए। आपके सुरक्षित रहने के लिए यह जरूरी है। बहुत लोग आएंगे और भगदड़ मचने की संभावना है।

पीएम मोदी ने महाकुंभ भगदड़ को बताया दुखद, कहा- मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में बुधवार को मची भगदड़ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उन्होंने सीएम योगी से फोन पर हुई बातचीत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। इस सिलसिले में मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ हादसे को लेकर मीडिया से बात की थी। सीएम योगी ने कहा, महाकुंभ मेला क्षेत्र में मची घटना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से चार बार फोन पर बात हुई है। प्रयागराज में भीड़ का भारी दबाव है और जो घटना घटी है, वह बैरिकेड को फांदने के कारण हुई है। फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं। प्रशासन सबके सहयोग के लिए तत्पर है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की। बोले, मैं लोगों से अपील करूंगा कि वह प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और अफवाहों पर ध्यान न दें। आज करीब 9 से 10 करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज में हैं। मैं सभी से कहूंगा कि वह जिस भी घाट पर हैं, वहीं स्नान करें। संगम नोज पर स्नान जरूरी नहीं हैं, सभी श्रद्धालु वहां जाने से बचें। सकुशल स्नान कराना हमारी प्राथमिकता है। प्रयागराज में भीड़ का भारी दबाव है, इसलिए पहले श्रद्धालु स्नान करेंगे और उसके बाद ही संत स्नान करेंगे।

महाकुंभ में भगदड़ के बाद रेलवे का बड़ा ऐलान, सभी स्पेशल ट्रेनें रद्द

महाकुंभ नगर | आरएनएस

महाकुंभ में बुधवार को मौनी अमावस्या पर्व पर भगदड़ मचने के बाद रेलवे ने बड़ा फैसला किया है। रेलवे ने महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों को फिलहाल अगले आदेशों तक रद्द कर दिया है। इसके अलावा जिन ट्रेनों को प्रयागराज आना था, उन्हें पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्टेशन पर रोक दिया गया है। कुछ ट्रेनों के रूटों को डायवर्ट कर दिया गया है।

वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी श्रद्धालुओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी पोस्ट में कहा गया, श्रद्धालुओं से अपील है कि – मां गंगा के जिस घाट के समीप हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। प्रशासन के निर्देशों का अनुपालन करें, व्यवस्था बनाने में सहयोग करें। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली थी। प्रधानमंत्री प्रयागराज में मची भगदड़ पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। उधर, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस भगदड़ के संबंध में बात की। उन्होंने सभी घायलों को हर प्रकार की चिकित्सा सुविधा देने का आश्वासन दिया।

बता दें कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान बुधवार को मौनी अमावस्या के दिन भगदड़ मच गई। इस हादसे में करीब 30 महिलाएं घायल हो गईं, जो संगम में स्नान करने के लिए जा रही थीं।

अंतर्राष्ट्रीय

ड्रग्स तस्करी का बड़ा मामला : अमेरिका में धागे की खेप में मिलीं 70 हजार नशीली गोलियां, भारत से हुई थी सप्लाई

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत से सप्लाई की गई धागे की खेप में 70 हजार नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। इन गोलियों की कीमत 33,000 अमेरिकी डॉलर बताई जा रही है। अमेरिका के सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा विभाग ने इस बात की जानकारी दी है। विभाग का कहना है कि उसने इन गोलियों को धागे की खेप के बीच में से ही बरामद किया है। इन गोलियों को कैलिफोर्निया के ब्यूना पार्क स्थित एक पते पर भेजा जाना था। इन गोलियों के सेवन पर अमेरिका में पाबंदियां हैं और डॉक्टरी मशविरे के बिना इन्हें खरीदने या सेवन करने की मनाही है। ऐसे में यह मामला ड्रग्स तस्करी का भी हो सकता है। धागे के माल में इस तरह से गोलियां मिलना चिंताजनक है। जोलपिडेम टार्ट्रेट नामक इन गोलियों को औषधि प्रवर्तन प्रशासन द्वार नियंत्रित पदार्थों की सूची में शामिल किया गया है। ये नशीली दवाओं में आती हैं और कई बार लोग नींद की गोलियों के रूप में भी इन्हें इस्तेमाल करते हैं। ड्रग्स की लत वाले लोग भी इन गोलियों को खरीदते हैं। डॉक्टरों द्वारा अनिद्रा के इलाज के लिए मरीजों को यह दवा दी जाती है। लेकिन अकसर इनके बेजा इस्तेमाल की भी शिकायतें आती हैं। इसी के चलते इनकी बिक्री को लेकर नियंत्रण रखने के प्रयास किए जाते हैं। सीबीपी के अधिकारियों ने 17 दिसंबर को वॉशिंगटन डलेस हवाई अड्डे के पास एक एयर कार्गो गोदाम में काले धागे के 96 रोल की खेप की जांच की। उन्होंने काले धागे के 96 स्पूल में से प्रत्येक के अंदर कुल 69,813 गोलियां छिपाई हुई पाई। मीडिया से विभाग ने बताया कि इन गोलियों का मूल्य करीब 33,000 अमेरिकी डॉलर है।

इसरो की ऐतिहासिक उड़ान, लॉन्च किया एनवीएस-02; भारत का नेविगेशन सिस्टम होगा सटीक

श्रीहरिकोटा | आरएनएस

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इतिहास रच दिया है। इसरो ने बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपण यान जीएसएलवी-एफ15 के जरिए अपना 100वां मिशन, एनवीएस-02 नेविगेशन सैटेलाइट लॉन्च किया है। दरअसल, जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट ने सुबह 6:23 बजे उड़ान भरी, जिसमें एनवीएस-02 नेविगेशन सैटेलाइट अंतरिक्ष में पहुंचाया गया। यह लॉन्च इसरो की एक बड़ी उपलब्धि है, जो देश की अंतरिक्ष अनुसंधान क्षमताओं को दर्शाती है।

इसरो ने इस महत्वपूर्ण लॉन्च के बारे में एक्स के जरिए जानकारी दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, जीएसएलवी-एफ15 ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी है, एनवीएस-02 को उसकी निर्धारित कक्षा में ले गया है। इसरो ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, मिशन सफल! जीएसएलवी-एफ15/ एनवीएस-02 मिशन सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया है। भारत अंतरिक्ष नेविगेशन में नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा, आज हमने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस महीने की 16 तारीख को हमने डॉकिंग सिस्टम की उपलब्धि हासिल की थी। इसरो की 100वीं लॉन्चिंग, टीम इसरो की कड़ी मेहनत और टीम वर्क से सफलतापूर्वक हासिल की गई है। इस साल हमें कई प्रोजेक्ट्स के लिए मंजूरी मिली है। संभवत: चंद्रयान 3, 4 और कई अन्य मंजूरियां मिल चुकी हैं। इस साल कई मिशन की तैयारी है। मेरी प्राथमिकता नई मंजूरी वाली परियोजनाओं को गति देना है। जो भी प्रोजेक्ट में देरी हो रही है, मैं उन्हें पूरा करूंगा।

जीएसएलवी-एफ15, जीएसएलवी रॉकेट की 17वीं उड़ान है। यह स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण वाली 11वीं उड़ान भी है। एनवीएस-02 उपग्रह भारतीय नेविगेशन प्रणाली का हिस्सा है। यह दूसरी पीढ़ी का उपग्रह है, जो नेविगेशन के लिए काम करेगा। नेविगेशन उपग्रह प्रणाली को भारत में उपयोगकर्ताओं और भारतीय भूमि से लगभग 1500 किमी दूर तक सटीक स्थिति, वेग और समय सेवा देने के लिए डिजाइन किया गया है। नया एनवीएस-02 उपग्रह एल1 फ्रीक्वेंसी बैंड को सपोर्ट करता है। इससे इसकी सेवाओं और विश्वसनीयता में सुधार होगा।

इससे पहले इसरो ने कहा था कि एनवीएस-02 उपग्रह एनएवीएलसी उपग्रहों की दूसरी पीढ़ी है। इसका वजन 2,250 किलोग्राम है और यह लगभग 3 किलोवाट की पावर संभाल सकता है। इसमें एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड, और सी-बैंड पेलोड होगा। एनएवीआईसी दो प्रकार की सेवाएं देगा: मानक पोजिशनिंग सेवा और प्रतिबंधित सेवा। एनएवीआईसी की एसपीएस सेवा 20 मीटर से बेहतर स्थिति सटीकता और 40 नैनोसेकंड से बेहतर समय सटीकता प्रदान करेगी।

महोना में पेप्सी से भरा कंटेनर अनियंत्रित होकर दुकानों में घुसा, तीन की मौत, दो घायल

लखनऊ | आरएनएस

लखनऊ के महोना कस्बे में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सडक़ हादसा हुआ। पेप्सी से भरा कंटेनर (नंबर य 08 ष्ट्र 6948) अनियंत्रित होकर चौरसिया तिराहे पर दुकानों में घुस गया, जिससे बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया।पुलिस और प्रशासन की टीम ने पांच लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया। लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो घायलों का उपचार जारी है। मृतकों की पहचान संजीव (18 वर्ष), दिनेश (22 वर्ष) और शिवा (18 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में नीरज (50 वर्ष) और मुन्ना (45 वर्ष) शामिल हैं, जो महोना इंटौजा, लखनऊ के निवासी हैं।घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ, पुलिस प्रशासन, अग्निशमन दल और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उप जिलाधिकारी बक्शी का तालाब और जिला आपदा विशेषज्ञ भी राहत कार्य की निगरानी कर रहे हैं। मलबा हटाने का कार्य तेजी से जारी है, ताकि किसी अन्य संभावित पीड़ित की तलाश पूरी की जा सके।यह हादसा इलाके में दहशत का कारण बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को दी मंजूरी

नई दिल्ली | आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मंत्रिमंडल ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी दी और मोलेसेस तथा गन्ने के रस की नई कीमतों को मंजूरी दी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद बताया, आज सबसे बड़ा फैसला किसानों के हित में लिया गया है। हम सब जानते हैं कि इथेनॉल के उपयोग से देश की इकॉनोमी को बहुत बड़ा फायदा हुआ है। यह किसानों के लिए फायदेमंद रहा है, विदेशी मुद्रा की बचत करता है और पर्यावरणीय स्थिरता का समर्थन करता है। अक्टूबर में समाप्त हुए पिछले इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) में, इथेनॉल ने 40,000 करोड़ रुपये के लाभ में योगदान दिया।

उन्होंने कहा, आपने देखा होगा कि गन्ने से तीन चीजें निकलती हैं - जिनमें सी हैवी मोलेसेस, बी हैवी मोलेसेस और गन्ने का रस शामिल है। इन तीनों की खरीद कीमतों को आज कैबिनेट द्वारा मंजूरी दे दी गई। इसका जितना उपयोग इथेनॉल बनाने में होगा, उतना ही यह देश, किसानों और पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, इसलिए इसे प्रमुखता से बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से आने वाली पीढ़ी, अर्थव्यवस्था और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। इसी श्रृंखला में आज प्रधानमंत्री ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट हमारी अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण है। नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन में 16,300 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसे छह वर्ष के लिए मंजूरी दी गई है। उल्लेखनीय है कि नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन द्वारा भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र की कंपनियों को विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज संपत्ति प्राप्त करने और साधन संपन्न देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वहीं, देश के भीतर महत्वपूर्ण खनिज भंडारों का भी विकास होगा।

दिल्ली : बुराड़ी बिल्डिंग हादसे के करीब 36 घंटे बाद जीवित बाहर निकला परिवार

बुराड़ी | आरएनएस

बुराड़ी में निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत ध्वस्त गिरने के करीब 36 घंटे बाद बुधवार को मलबे से एक परिवार को बाहर निकला गया।

एनडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमों की कड़ी मशक्कत रंग लाई और परिवार को जीवित बाहर निकाला गया।

मिली जानकारी के मुताबिक, एक दंपति और उनकी तीन वर्षीय बेटी और पांच वर्षीय बेटे को मलबे से बाहर निकाला गया है। चारों होश में हैं, हालांकि महिला और उसके बेटे को मामूली चोटें आई हैं।

इस परिवार ने जीने की आस और उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन एक व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों की जान बचाने की उम्मीद में भगवान से आस लगाए बैठा था। राजेश नाम के इस शख्स ने जिंदा रखने के लिए अपने परिवार को टमाटर और मूंगफली खिलाई।

राजेश इमारत की दूसरी मंजिल पर रह रहे थे। उन्होंने आपबीती सुनाते हुए कहा कि हादसे के बाद मात्र दो फुट का दायरा उन्हें सांस लेने और जिंदगी जीने के लिए मिला। जेसीबी क्रेन उनके ऊपर से गुजर रही थी और शोर-शराबे की आवाज आ रही थी, लेकिन उनकी आवाज कोई नहीं सुन पा रहा था। आखिरकार भगवान ने एक पिता के दिल की आवाज सुनी। एक पाइप के जरिए जमीन के मलबे में दबे राजेश ने अपने परिवार को बचाने के लिए एनडीआरएफ की टीम को संकेत दिए। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

इस दर्दनाक हादसे में अब तक 21 लोगों को मलबे से निकाला गया है, जिनमें से पांच की मौत हो चुकी है। मृतकों में दो लड़कियां भी शामिल हैं। यह घटना एक निर्माणाधीन इमारत के ढहने के बाद हुई, जिसमें कई लोग मलबे में फंस गए थे। एनडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। बचाव दल की ओर से बताया गया है कि मलबे में कुछ और लोग फंसे हो सकते हैं, जिससे मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरी तत्परता से चल रहा है और फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने की कोशिश जारी है।